10th Convocation organised at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 19-11-2024**

Knowledge is greatest power for nation-building: Guv Dattatreya

TRIBUNE NEWS SERVICE

MAHENDRAGARH, NOVEMBER 18

The Central University of Haryana (CUH) here today organised its 10th Convocation wherein, chief guest Governor Bandaru Dattatreya conferred PhD, MPhil, post graduate and graduate degrees on 1,338 students and research scholars.

Speaking on the occasion, the Governor said knowledge was the greatest power for nation building. Appealing to the youth to become job providers rather than job seekers, he emphasised that the global-level curricula introduced under the New Education Policy would help restore India's legacy of knowledge and re-establish its glory.

Prof Raghavendra Prasad Tiwari, Vice-Chancellor of Central University of Punjab, exhorted the students to pledge their contributions to build a new, prosperous, and ambitious India. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH, said after completing their studies and research, the students were today stepping into a world of new possibilities.

Central University of Haryana holds its 10th convocation

Governor Bandaru Dattatreya awards a degree to a student at the Central University of Haryana in Mahendragarh on Monday. TRIBUNE PHOTO

aryana Tribune Tue, 19 November 2024
https://epaper.tribuneindia.com/c/76256822

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-11-2024**

दीक्षांत समारोह...

संवाद

सोमवार को हकेंवि में 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गोल्ड मेडलिस्ट नमिता अग्रवाल को सम्मानित करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय व कुलपति प्रो. टकेंश्वर कुमार। >> राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति...पेज 04

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-11-2024**

राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति

हकेंवि के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, 1384 विद्यार्थियों को उपाधि दी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने युवा शक्ति से आह्वान किया कि आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं, बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें। नवाचार का महत्व बताते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया।

राज्यपाल दत्तात्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित 10वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने विवि के 46 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल और 1265 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि दी। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

राज्यपाल ने कहा यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। हकेंवि शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

विवि के 46 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिला राज्यपाल से

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है। यह उनके दमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्यार्थी। स्रोत- हकेंवि

"बहुत गर्व की अनुभूति हो रही है। नौकरी एक अलग चीज है और गोल्ड मेडल मिलना एक अलग चीज। इस सफलता का श्रेय अभिभावक, शिक्षकगण कल्पना चौहान, डॉ. मुरलीधर नायक भूक्या और प्रो. अजय कुमार बंसल को जाता है। **-मोहम्मद तारिक अनवर, छात्र, बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग**

"यह स्वर्ण पदक उसके और उसके माता पिता के लिए बहुत गर्व की अनुभूति करवाने वाला है। ये सफलता उसके परिवार की मदद से मिली है, इसलिए वह अपना पदक अपने परिवार को समर्पित किया। **-शिक्षा, छात्रा, राजनीति विज्ञान विभाग**

"स्वर्ण पदक पाकर रोमांचित महसूस कर रही हूं। आईआईएम अहमदाबाद में अकादमिक एसोसिएट पद पर कार्यरत हूं। यह पदक सहपाठियों, परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित है, उनके सहयोग से ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। **- दिव्या दीक्षित, छात्रा, मनोविज्ञान विभाग**

"ये गोल्ड मेडल मिलना अविस्मरणीय है। इसका श्रेय उसने सबसे पहले विश्वविद्यालय, माता पिता, शिक्षकगण को दिया। **-महिमा शर्मा, छात्रा, पोषण**

"एमफिल डिग्री में गोल्ड मेडल की उपलब्धि उसके लिए किसी सपने का सच होने जैसा है। आगामी जनवरी माह में पीएचडी पूरी हो जाएगी। इस सफलता का श्रेय अपने गाइड और अभिभावकों को दिया। **-कुमारी सभ्यता, छात्रा**

"यह गोल्ड मेडल लेते वक्त बहुत खुशी महसूस रही है। आज उन्होंने जो अपने शिक्षकों से सीखा है, यह उसी का परिणाम है। यहां आकर एक अलग ही अनुभव हो रहा है। शिक्षक डॉ. अशोक कुमार और डॉ. भारती बत्रा की आभारी हूं। **-नमिता अग्रवाल, छात्रा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग**

"आज का दिन यादगार है। डॉ. सुमन रानी से काफी मार्गदर्शन मिला और उनके सानिध्य में यह उपलब्धि हासिल हुई है। **-मनीषा, छात्रा, संस्कृत विभाग**

"गोल्ड मेडल के लिए शॉर्टलिस्ट होने पर अपार खुशी हो रही है। इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एंव अपने शिक्षकगणों जाता है। **-नीति भारद्वाज ,छात्रा, बीवॉक बायोमेडिकल**

समृद्ध भारत के निर्माण के लिए योगदान का आह्वान

महेंद्रगढ़। आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्वाकांक्षी भारत के निर्माण के लिए अपने योगदान का संकल्प लें।

यह बात हकेंवि के दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि पहुंचे पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने कही। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यालय का ब्योरा पेश करते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी।

समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-11-2024**

दीक्षांत समारोह • विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी निरंतर सीखे और दूसरों को भी सिखाए : बंडारू दत्तात्रेय

राज्यपाल ने 1338 विद्यार्थियों-शोधार्थियों को दी उपाधियां, 46 को स्वर्ण पदक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी निरंतर सीखे और दूसरों को भी सिखाए। कहा कि यह विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों ने एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की की ओर से हकेंवि को एमरजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को शुभकामनाएं दी।

विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्वाकांक्षी भारत के निर्माण के लिए अपने योगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। उन्हे केवल विचारक ही नहीं बल्कि कर्मयोगी बनते हुए नए भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संबंधित खबर पेज-3 पर

दीक्षांत समारोह में डिग्री व मेडल प्रदान करते हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

803 छात्र और 535 छात्राओं को दी डिग्रियां

हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की व 46 को उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया । स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 192 तथा बी.वॉक. में 83 विद्यार्थियों को और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 08 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-11-2024**

राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति: राज्यपाल दत्तात्रेय

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों-शोधार्थियों को दी उपाधियां

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में आयोजित 10वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा, आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें। इस दौरान राज्यपाल ने 46 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल और 1265 विद्यार्थियों को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा कि आज देशभर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत वैश्विक स्तर के नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इससे भारत की ज्ञान परंपरा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी शामिल हुए। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-11-2024**

दीक्षांत समारोह • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के होनहार विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने साझा किए अनुभव

स्वर्ण पदक पाकर खिले चेहरे, कहा- इस खुशी को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़ में सोमवार को आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी की कोई सीमा नहीं थी। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग रही।

मनोविज्ञान विभाग की छात्रा दिव्या दीक्षित स्वर्ण पदक पाकर रोमांचित दिखीं। उन्होंने अपना यह पदक सहपाठियों, परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। दिव्या दीक्षित आईआईएम अहमदाबाद में अकादमिक एसोसिएट पद पर कार्यरत हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा नमिता अग्रवाल ने अपनी सफलता का श्रेय विभाग के शिक्षकों को दिया । पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा महिमा शर्मा ने कहा कि मैं अपनी खुशी को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती। बी.टेक.इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र मोहम्मद तारिक अनवर ने कहा कि जॉब एक अलग चीज है और गोल्ड मेडल मिलना एक अलग चीज। शिक्षक शिक्षा विभाग की छात्रा कुमारी सभ्यता ने कहा कि एम.फिल. डिग्री में गोल्ड मेडल की उपलब्धि मेरे लिए किसी सपने का सच होने जैसा है। बी.वॉक बायोमेडिकल की छात्रा नीति भारद्वाज ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं बहुत अभिभूत हूं ये जानकर कि मैं गोल्ड मेडल के लिए शॉर्टलिस्ट हुई।

राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा शिक्षा ने अपना पदक परिवार को समर्पित किया। संस्कृत विभाग की छात्रा मनीषा ने इस पल को गौरवमयी बताया।

ग्राम पंचायत सलीमपुर की सरपंच आरती ने एम कॉम में हासिल किया गोल्ड मेडल

मंडी अटेली| ग्राम पंचायत सलीमपुर की सरपंच आरती को सोमवार राज्यपाल ने हरियाणा सेंट्रल यूनिवर्सिटी में गोल्ड मेडल प्रदान किया। गांव की सरपंच आरती ने अपनी पढ़ाई के दौरान एम.कॉम में गोल्ड मेडल प्राप्त किया था सोमवार को यह गोल्ड मेडल जाट पाली यूनिवर्सिटी में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के हाथों से दीक्षांत समारोह में उन्हें भेंट किया गया। यह सम्मान मिलने पर गांव में खुशी का माहौल है। पिता जसवंत यादव ने इस गोल्ड मेडल मिलने पर खुशी जाहिर की है।

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थी

1 निकिता बी.एड.
2 चारुदत्त पाण्डेय एलएलबी
3 पीयूष गोदारा बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग
4 अनुपम सिंह बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
5 मो तारिक अनवर बी.टेक. इलेक्ट्रिल इंजीनियरिंग
6 बद्दम मेघना रेड्डी बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी
7 नीति भारद्वाज बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज
8 कुमारी निवेदिता बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट
9 विवेक नारायण सिंह बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट
10 मीरा एम एम.ए. अर्थशास्त्र
11 नव्या के एम.ए. अंग्रेजी
12 दीपिका एम.ए. हिंदी
13 चंद्रिका एम.ए. इतिहास एवं पुरातत्त्व
14 नमिता अग्रवाल एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार
15 शिक्षा शांडिल्य एम.ए. राजनीति विज्ञान
16 दिव्या दीक्षित एम.ए. मनोविज्ञान
17 मनीषा एम.ए. संस्कृत
18 जिवेन्द्र कुमार एम.ए. समाजशास्त्र
19 ऐश्वर्या जोशी एमबीए
20 आरती एम.कॉम.
21 सत्य संग्राम पटनायक एमसीए
22 पवित्रा यादव एम.एड.
23 माधवरामन एम मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी
24 राकेश रंजन कुमार मास्टर ऑफ लॉ
25 अनन्य पाण्डेय मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफोरमेशन साइंस
26 महिमा कथूरिया एम.फिल. अर्थशास्त्र
27 कु.सविता एम.फिल. शिक्षा
28 फ़िरदौस नज़ीर एम.फिल. अंग्रेजी
29 रजत कुमार मौर्य एम.फिल. अंग्रेजी
30 नितिन रावत एम.फिल. राजनीति विज्ञान
31 पवन मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन
32 प्राची एम.एससी. बायोकेमेस्ट्री
33 सोनिया एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी
34 नेहा एम.एससी. केमेस्ट्री
35 शालिनी यादव एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान
36 सोनिका एम.एससी. भूगोल
37 शालू एम.एससी. गणित
38 अंकुर कुमार एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी
39 महिमा शर्मा एम.एससी. न्यूट्रिशन बायोलॉजी
40 पूजा एम.एससी. फिजिक्स
41 श्वेता यादव एम.एससी. सांख्यिकी
42 नीति तोमर एम.एससी. योग
43 मोनिका एम.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
44 मोहिनी एम.टेक. एनर्जी सिस्टम एंड मैनेजमेंट
45 दीपक एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
46 सुभम वार्ष्णेय मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-11-2024**

मातृ भाषा–संस्कृति को भुलाने वालों का नहीं रहता अस्तित्व : राज्यपाल

संवाद सहयोगी, जागरण महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षा समारोह का आयोजन सोमवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षा समारोह में शामिल हुए। समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि दीक्षा समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। यह ज्ञान योग से कर्मयोग में प्रवेश करने का समय है। उन्होंने 2015 में केंद्रीय मंत्री रहते हुए विदेश में आयोजित कार्यक्रम का स्मरण करते हुए कहा कि 160 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इसमें अमेरिका और इंग्लैंड को छोड़कर शेष सभी देशों के प्रतिनिधियों ने अपनी मातृभाषा में ही प्रस्तुति दी थी। इस दौरान हमारे देश की ओर से भी अंग्रेजी में भाषण तैयार किया गया, लेकिन हमने तुरंत उसका हिंदी अनुवाद करवाया और हमारी मातृभाषा हिंदी में ही प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि वह अंग्रेजी के विरोधी नहीं हैं पर जिस देश में अपनी मातृभाषा और अपनी संस्कृति को भुला दिया जाता है, उनका अस्तित्व नहीं रहता है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमरजिंग यूनिवर्सिटी आफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा कि आज जिस तरह से देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैश्विक स्तर के नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उससे भारत की ज्ञान परंपरा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण के लिए अपने योगदान का संकल्प लें। कुलपति ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा में निरंतर अग्रसर है। विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है। समारोह में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डा. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौजन्यः हकेंवि

समारोह में छात्र को स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारू ● सौ: हकेंवि

46 को मिले स्वर्ण पदक

हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1,338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल. स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गईं। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उत्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-11-2024**

प्रदर्शनी का अवलोकन कर किया प्रोत्साहित

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हरियाणा के राज्यपाल ने दोहान उत्सव 2024 उत्सव के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। राज्यपाल ने आयोजन को राज्य की सांस्कृतिक समृद्धता का परिचायक बताया।

स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थी

- निकिता बी.एड.
- चारुदत्त पाण्डेय एलएलबी
- पीयूष गोदारा बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग
- अनुपम सिंह बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- मो तारिक अनवर बी.टेक. इलेक्ट्रिल इंजीनियरिंग
- बद्दम मेघना रेड्डी बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी
- नीति भारद्वाज बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज
- कुमारी निवेदिता बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट
- विवेक नारायण सिंह बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट
- मीरा एम एम.ए. अर्थशास्त्र
- नव्या के एम.ए. अंग्रेजी
- दीपिका एम.ए. हिंदी
- चंद्रिका एम.ए. इतिहास एवं पुरातत्त्व
- नमिता अग्रवाल एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार
- शिक्षा शांडिल्य एम.ए. राजनीति विज्ञान
- दिव्या दीक्षित एम.ए. मनोविज्ञान
- मनीषा एम.ए. संस्कृत
- जितेन्द्र कुमार एम.ए. समाजशास्त्र
- ऐश्वर्या जोशी एमबीए
- आरती एम.कॉम.
- सत्य संग्राम पटनायक एमसीए
- पवित्रा यादव एम.एड.
- माधवरामन एम मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी
- राकेश रंजन कुमार मास्टर ऑफ लॉ
- अनन्य पाण्डेय मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफोरमेशन साइंस
- महिमा एम.फिल. अर्थशास्त्र
- कु.सविता एम.फिल. शिक्षा
- फ़िरदौस नज़ीर एम.फिल. अंग्रेजी
- रजत कुमार मौर्य एम.फिल. अंग्रेजी
- नितिन एम.फिल. राजनीति विज्ञान
- पवन मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन
- प्राची एम.एससी. बायोकेमेस्ट्री
- सोनिया एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी
- नेहा एम.एससी. केमेस्ट्री
- शालिनी यादव एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान
- सोनिका एम.एससी. भूगोल
- शालू एम.एससी. गणित
- अंकुर कुमार एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी
- महिमा शर्मा एम.एससी. न्यूट्रिशन बायोलॉजी
- पूजा एम.एससी. फिजिक्स
- श्वेता यादव एम.एससी. सांख्यिकी
- नीति तोमर एम.एससी. योग
- मोनिका एम.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- मोहिनी एम.टेक. एनर्जी सिस्टम एंड मैनेजमेंट
- दीपक एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
- सुभम वार्ष्णेय मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 19-11-2024**

हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय

46 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल और 1338 को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां

■ राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति: बंडारु दत्तात्रेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारु दत्तात्रेय मुख्यातिथि थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धमार्णी भी उपस्थित रही।

राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य हैं। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं, बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्त्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। मुख्यातिथि ने कहा कि यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि आज जिस तरह से देशभर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैश्विक स्तर के नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उससे भारत की ज्ञान परम्परा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने मातृभाषा के महत्त्व का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत है। राज्यपाल ने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी से निरंतर सीखने और दूसरों को भी सीखाने का आह्वान किया। महिला शक्ति का जिक्र करते हुए राज्यपाल महोदय ने युवाओं को केंद्र में रखकर नीतियां, पाठ्यक्रम व भविष्य की योजनाएं बनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए युवा शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। विद्यार्थियों को केवल विचारक ही नहीं बल्कि कर्मयोगी बनते हुए नए भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिया भूमिका निभानी होगी। प्रो. तिवारी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम की भी सराहना की।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा में निरंतर अग्रसर है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिखाए गए मार्ग का उल्लेख करते हुए भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में युवाओं की भूमिका का भी स्मरण कराया। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय नित-नए कीर्तिमान स्थापित कर अपनी एक अलग वैश्विक पहचान बना रहा है। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय व दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय। फोटो: हरिभूमि

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की

हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एम फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 192 तथा बीवोक में 83 विद्यार्थियों तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 8 को एमफिल की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haryana Pradeep **Date: 19-11-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का दसवां दीक्षांत समारोह

राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय

महेंद्रगढ़/मनोज गोयल गुडियानिया (हरियाणा प्रदीप)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारु दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्त्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मूल्यों पर गर्व करने जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि बंडारु दत्तात्रेय, विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 192 तथा बी.वॉक. में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 08 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 19-11-2024**

ह्यूमन इंडिया | गुरुग्राम-नई दिल्ली-चंडीगढ़-करनाल-अंबाला आसपास | गुरुग्राम, मंगलवार 19 नवंबर 2024 | 07

राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : बंडारु दत्तात्रेय

- हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय
- 46 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएच.डी., 08 को एम.फिल. और 1265 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार 18 नवम्बर को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय श्री बंडारु दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मूल्यों पर गर्व करने जोर दिया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। जिनको द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमर्जिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने कहा कि आज जिस तरह से देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैश्विक स्तर के नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उससे भारत की ज्ञान परम्परा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने मातृभाषा के महत्व का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। राज्यपाल ने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी से निरंतर सीखने और दूसरों को भी सीखाने का आह्वान किया। महिला शक्ति का जिक्र करते हुए राज्यपाल महोदय ने युवाओं को केंद्र में रखकर नीतियां, पाठ्यक्रम व भविष्य की योजनाएं बनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए युवा शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्री धारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। विद्यार्थियों को केवल विचारक ही नहीं बल्कि कर्मयोगी बनते हुए नए भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रो. तिवारी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम की भी सराहना की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री बंडारु दत्तात्रेय, विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा में निरंतर अग्रसर है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिखाए गए मार्ग का उल्लेख करते हुए भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में युवाओं की भूमिका का भी स्मरण कराया। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय नित-नए कीर्तिमान स्थापित कर अपनी एक अलग शैक्षणिक पहचान बना रहा है।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

46 को मिले स्वर्ण पदक व 1338 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 192 तथा बी.वॉक. में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएचडी. एवं 08 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 19-11-2024**

Knowledge is the greatest power for nation-building: Bandaru Dattatraya

Manish Kumar
info@impressivetimes.com

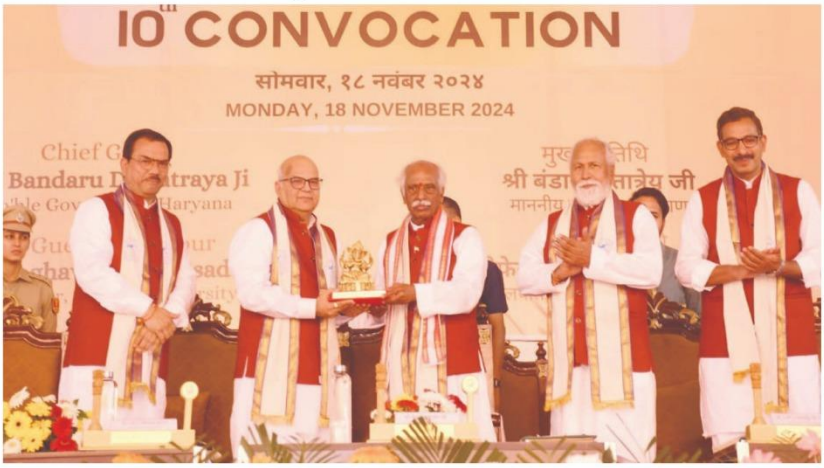

MAHENDRAGARH : The Tenth Convocation of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was held on Monday, 18 November, 2024. On this occasion, Shri Bandaru Dattatraya, Governor of Haryana was present as the Chief Guest and Prof. Raghvendra P. Tiwari, Vice-Chancellor, Central University of Punjab was present as Guest of Honour. On this occasion, the Chief Guest, Governor Shri Bandaru Dattatraya, extended his best wishes to all the students receiving their degrees. He said, "You are the present and the future of our nation,". Further he said that in today's era it is not money but knowledge that is the greatest power for the nation-building. He also urged the youth to become job providers rather than job seekers. He emphasized that the global-level curricula introduced under the New Education Policy would help restore India's legacy of knowledge and re-establish its glory. The Vice Chancellor of Central University of Punjab Prof. Raghavendra Prasad Tiwari congratulated all the degree recipients, stating that today is a day to commit to fulfilling one's dreams. He urged the students to pledge their contributions to build a new, prosperous, and ambitious India. On this occasion, Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar welcomed the Chief Guest, Guest of Honour and guests of the convocation ceremony. The Vice-Chancellor stated that this day marks a new milestone in the lives of the graduates. He noted that after completing their studies and research, the students are stepping into a world of new possibilities. Highlighting the progress of the university, he said that the institution is continuously advancing in its mission to nurture the students to make the best citizens for the country. The Vice-Chancellor mentioned that the university is expanding its scope through seminars, workshops, research projects, and Memorandums of Understanding (MoUs) with foreign universities, ensuring academic, community, and national interests. As a result, the university is setting new milestones and establishing a unique global identity. Members of the Executive Council, Academic Council and Court of the University, dignitaries from different educational institutions, Deans of different Schools, Prof. Sunil Kumar, Registrar; Prof. Rajiv Kaushik, Controller of Examinations, various officers and faculty members were present. Degrees were conferred upon 1338 students and 46 students got Gold Medals. At the 10th Convocation of CUH, Ph.D, M.Phil, Graduate and Post-graduate degrees were awarded to 1338 students and researchers including 46 students who got gold medals. Among these, 192 students in B.Tech, 83 students in B.Voc. while in Post-Graduate 990 students were conferred degrees. Ph.D. degree was awarded to 65 researchers and M.Phil. to 8 researchers. Among 1338 students and researchers, 803 male and 535 female students were awarded degrees.

HE NOTED THAT AFTER COMPLETING THEIR STUDIES AND RESEARCH, THE STUDENTS ARE STEPPING INTO A WORLD OF NEW POSSIBILITIES. HIGHLIGHTING THE PROGRESS OF THE UNIVERSITY

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 19-11-2024**

Knowledge is the greatest power for nation-building: Bandaru Dattatraya-Tenth Convocation held at CUH

November 18, 2024 04:50 PM

MAHENDERGARH, 18.11.24-The Tenth Convocation of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was held on Monday, 18 November, 2024. On this occasion, Shri Bandaru Dattatraya, Governor of Haryana was present as the Chief Guest and Prof. Raghvendra P. Tiwari, Vice-Chancellor, Central University of Punjab was present as Guest of Honour.

On this occasion, the Chief Guest, Governor Shri Bandaru Dattatraya, extended his best wishes to all the students receiving their degrees. He said, "You are the present and the future of our nation,". Further he said that in today's era it is not money but knowledge that is the greatest power for the nation-building. He also urged the youth to become job providers rather than job seekers. He emphasized that the global-level curricula introduced under the New Education Policy would help restore India's legacy of knowledge and re-establish its glory.

The Vice Chancellor of Central University of Punjab Prof. Raghavendra Prasad Tiwari congratulated all the degree recipients, stating that today is a day to commit to fulfilling one's dreams. He urged the students to pledge their contributions to build a new, prosperous, and ambitious India.

On this occasion, Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar welcomed the Chief Guest, Guest of Honour and guests of the convocation ceremony. The Vice-Chancellor stated that this day marks a new milestone in the lives of the graduates. He noted that after completing their studies and research, the students are stepping into a world of new possibilities. Highlighting the progress of the university, he said that the institution is continuously advancing in its mission to nurture the students to make the best citizens for the country.

The Vice-Chancellor mentioned that the university is expanding its scope through seminars, workshops, research projects, and Memorandums of Understanding (MoUs) with foreign universities, ensuring academic, community, and national interests. As a result, the university is setting new milestones and establishing a unique global identity.

Members of the Executive Council, Academic Council and Court of the University, dignitaries from different educational institutions, Deans of different Schools, Prof. Sunil Kumar, Registrar; Prof. Rajiv Kaushik, Controller of Examinations, various officers and faculty members were present.

Degrees were conferred upon 1338 students and 46

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 19-11-2024**

राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : बंडारु दत्तात्रेय

हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल

महेंद्रगढ़, 18 नवंबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार 18 नवम्बर को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय।

दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य हैं। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्त्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मूल्यों पर गर्व करने जोर दिया।

46 छात्रों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएच.डी., 08 को एम.फिल. और 1265 को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

मुख्य अतिथि ने कहा कि यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि आज जिस तरह से देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैश्विक स्तर के नए पाठ्यक्रम शुरु किए जा रहे हैं। उससे भारत की ज्ञान परम्परा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पुन: स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने मातृभाषा के महत्त्व का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। राज्यपाल ने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी से निरंतर सीखने और दूसरों को भी सीखाने का आह्वान किया। महिला शक्ति का जिक्र करते हुए राज्यपाल महोदय ने युवाओं को केंद्र में रखकर नीतियां, पाठ्यक्रम व भविष्य की योजनाएं बनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए युवा शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें।

इस अवसर पर कुलपति टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि बंडारु दत्तात्रेय, विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा में निरंतगर अग्रसर है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है। समारोह में विवि. की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 19-11-2024**

सलीमपुर की सरपंच आरती ने वाणिज्य में पाया स्वर्ण पदक

अटेली मंडी, 18 नवंबर (दूरदर्शी): महेंद्रगढ़ जिले के गांव सलीमपुर की सरपंच आरती ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में आरती को वाणिज्य विषय में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। यह पदक राज्यपाल द्वारा उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया।

आरती न केवल पढ़ाई में अव्वल रही हैं, बल्कि एक जिम्मेदार सरपंच के रूप में गांव की बेहतरी के लिए भी लगातार काम कर रही हैं। उनका यह संतुलन युवाओं और महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है।

ग्रामीणों ने उनकी सामाजिक कार्यों में रुचि और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें सरपंच के रूप में चुना था, और आज वे इस विश्वास पर पूरी तरह खरी उतर रही हैं। आरती सरपंच बनने के बाद से ही ग्रामीणों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल कर चुकी हैं। गांव में सफाई अभियान, पेयजल व्यवस्था सुधार, और महिलाओं के लिए स्वरोजगार कार्यक्रमों का संचालन उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियां हैं।

आरती का कहना है कि शिक्षा और समाज सेवा दोनों का अपना महत्व है, और उन्होंने इसे अपने जीवन में अपनाया है। आरती की इस उपलब्धि से गांव सलीमपुर में जश्न का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि आरती ने न केवल गांव का नाम रोशन किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी बाधा सफलता के मार्ग में नहीं आ सकती।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Sahara **Date: 19-11-2024**

राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : दत्तात्रेय

नारनौल (एसएनबी)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रहीं।

हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मूल्यों पर गर्व करने जोर दिया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमरजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

46 को मिले स्वर्ण पदक व 1338 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां : हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 192 तथा बी.वॉक. में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 08 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित थे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 19-11-2024**

राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति- श्री बंडारू दत्तात्रेय

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार 18 नवम्बर को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय श्री बंडारु दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह मे शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मूल्यों पर गर्व करने जोर दिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमरजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि आज जिस तरह से देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैश्विक स्तर के नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उससे भारत की ज्ञान परम्परा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने मातृभाषा के महत्त्व का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत है। राज्यपाल ने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी से निरंतर सीखने और दूसरों को भी सीखाने का आह्वान किया। महिला शक्ति का जिक्र करते हुए राज्यपाल महोदय ने युवाओं को केंद्र मे रखकर नीतियां, पाठ्यक्रम व भविष्य की योजनाएं बनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए युवा शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। विद्यार्थियों को केवल विचारक ही नहीं बल्कि कर्मयोगी बनते हुए नए भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रो. तिवारी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम की भी सराहना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री बंडारु दत्तात्रेय, विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊंचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने मे मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा मे निरंतगर अग्रसर है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिखाए गए मार्ग का उल्लेख करते हुए भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप मे स्थापित करने मे युवाओं की भूमिका का भी स्मरण कराया। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिश्चितता के लिए संगोष्ठियो, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय नित-नए कीर्तिमान स्थापित कर अपनी एक अलग वैश्विक पहचान बना रहा है। दीक्षांत समारोह मे विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में सोमवार को आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह मे स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल कैसा होता है। यह उनके दमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी। द्व मनोविज्ञान विभाग की छात्रा दिव्या दीक्षित स्वर्ण पदक पाकर रोमांचित महसूस कर रही है। उन्होंने अपना यह पदक सहपाठियों, परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। दिव्या दीक्षित आईआईएम अहमदाबाद में अकादमिक एसोसिएट पद पर कार्यरत हैं। द्व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा नमिता अग्रवाल ने कहा कि मुझे यह गोल्ड मेडल लेते वक्त बहुत खुशी महसूस रही है। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने जो अपने टीचर्स से सीखा है, यह उसी का परिणाम है। यहां आकर एक अलग ही अनुभव हो रहा है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय विभाग के शिक्षक डॉ. अशोक कुमार और डॉ. भारती बत्रा को दिया। द्व पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा महिमा शर्मा ने बताया कि ये गोल्ड मेडल मिलना उनके अनएक्सपेक्टेड था इसलिए आज यकीन नहीं हो रहा है कि